# पुस्तकालय का भी कम्प्यूटरीकृत होना आवश्यक: कुलपति

(भागलपुर कार्यालय)

भागलपुर। तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय की ओडिटोरियम में राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, संचार एवं सूचना तकनीकी मंत्रालय के सौजन्य से तथा स्नातकोत्तर पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग की ओर से तीन दिवसीय कार्यशाला सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। समारोह का उद्घाटन कुलपति डा.प्रेमा झा ने भारतीय पुस्तकालय विज्ञान के जनक डा.एस. आररंगनाथन के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्जवलित कर किया। उद्घाटन के बाद अपने उद्गार व्यक्त करते हुए कुलपति डा.प्रेमा झा ने कहा कि आज के साईबर युग में जब हम जीवन के हर पहलू एवं हर क्षेत्र में कम्प्यूटर के जरिये इलेक्ट्रोनिक स्तर में प्रवेश कर रहे है तब ग्रंथालय का रूख भी ई-ग्रंथालय करके इसे कम्प्यूटरीकृत किया जाना आवश्यक है। इसी के तहत भागलपुर विश्वविद्यालय का केन्द्रीय पुस्तकालय भी ई-ग्रंथालय में तब्दील हो जायेगा। उन्होंने कहा कि इस दौर में लोग ई-फ्रैंड्स बना रहे है। ऐसे में ई-लाईब्रेरी सभी लोगों के लिए लाभदायक एवं कल्याणकारी साबित होगी। इस मौके पर राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र नई दिल्ली के तकनीकी निदेशक राम कुमार माटोरिया ने कहा कि ई-ग्रंथालय नामक

**शीघ्र जुड़ जायेगा केन्द्रीय पुस्तकालय ई-ग्रंथालय से**

सॉफ्टवेयर सभी पुस्तकालयों को राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र द्वारा नि:शुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि केन्द्रीय पुस्तकालय के साथ-साथ भागलपुर के अन्य महाविद्यालयों को भी सॉफ्टवेयर उपलब्ध कराया जा रहा है। फिलहाल सबसें पहले केन्द्रीय पुस्तकालय ऑन लाईन किया जायेगा। डा.माटोरिया ने कहा कि इस कार्यशाला का उद्देश्य पुस्तकालय विज्ञान केन्द्र छात्रों एवं इस पैशे से जुड़े कर्मचारियों को ई-ग्रंथालय की जानकारी देना एवं ग्रंथालीय सॉफ्टवेयर की उपयोगिता बतानी है। उन्होंने कहा कि इनके उपयोग से हम सारे ग्रंथालयों के क्रियाकलापों एवं संग्रहित प्रलेखों की जानकारी शीघ्र प्राप्त करने के साथ ही ग्रंथालय प्रबंधन में सुविधा भी प्राप्त करेंगे। इस मौके पर आगत अतिथियों का स्वागत करते हुए डा.बालकृष्ण झा ने कहा कि २१वीं शताब्दी ज्ञान एवं सूचनाओं का युग है।

ऐसे में विश्वविद्यालय की आत्मा कहलाने वाली लाईब्रेरी को आधुनिक स्वरूप ई-ग्रंथालय का स्वरूप दिया जाना आवश्यक है ताकि राष्ट्रीय स्तर पर हर ग्रंथालय को एक दूसरे से जोड़ा जा सके। कार्यक्रम का प्रारंभ सुमन, शिल्पी, सितवत एवं खुशबू के गाये कुलगीत से हुआ। इस अवसर पर राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र नई दिल्ली के तकनीकी निदेशक समेत अन्य आगत अतिथियों को अंग वस्त्र एवं बुके देकर सम्मानित किया गया। समारोह में पुस्तकालयाध्यक्ष प्रभारी अरूण कुमार सिन्हा, पूर्व समन्वयक डा.डपेन्द्र प्रसाद यादव, वसंत कुमार चौधरी, डा.जयंत सिन्हा जलद, अरूण कुमार झा, प्रमोद कुमार सिन्हा एवं डा.विजय कुमार मौजूद थे।

आज, पटना शुक्रवार 13 नवम्बर
पृ० - 5 2009